“एक राष्ट्र, एक चुनाव” के समर्थन में संकल्प

भारत का युवा एवं छात्र समुदाय, विकसित भारत के लिए भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के “एक राष्ट्र एक चुनाव” के विचार के प्रति अपना समर्थन प्रकट करता है।

हम “एक राष्ट्र एक चुनाव” के संदर्भ में, भारत के पूर्व राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद जी के नेतृत्व में बनी उच्च स्तरीय कमिटी की संस्तुतियों का भी समर्थन करते हैं।

“एक राष्ट्र, एक चुनाव” का विचार भारत में चुनावी प्रक्रिया में सुधार की दिशा में एक सकारात्मक एवं दूरदर्शी कदम है। इसका उद्देश्य सभी राज्यों के विधान सभा चुनावों को लोकसभा चुनावों के साथ समन्वित करना है। यह विधेयक निश्चित ही प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा प्रस्तावित “विकसित भारत@2047” के ध्येय को साकार करने में मील का पत्थर साबित होगा।

“एक राष्ट्र एक चुनाव” आज के भारत की आवश्यकता है। बार-बार होने वाले चुनाव शासन व्यवस्था, शासन की प्रक्रिया एवं देश की प्रगति में बाधा उत्पन्न करते हैं। नेता, जनता, एवं कार्यकर्ता सभी चुनाव की तैयारियों में लगे रहते हैं, जबकि संवैधानिक एवं प्रशासनिक अधिकारी भी चुनावी प्रक्रिया में कार्यरत रहते हैं। इसके परिणामस्वरूप, जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में देरी एवं व्यवधान उत्पन्न होता है। इसी प्रकार, बार-बार चुनावों पर होने वाला व्यय एवं सार्वजनिक संसाधनों का दुरुपयोग “एक राष्ट्र, एक चुनाव” की आवश्यकता को और अधिक प्रबल रूप से रेखांकित करता है। “एक राष्ट्र एक चुनाव” भारतीय लोकतांत्रिक प्रक्रिया को अधिक सुव्यवस्थित, प्रभावी और सहभागी बनाने का सामर्थ्य रखती है।

हम, भारत के छात्र, इस अवधारणा को साकार रुप से धरातल पर उतारने के लिए एक जन अभियान चलाने का संकल्प लेते हैं, ताकि “विकसित भारत @ 2047” का स्वप्न साकार किया जा सके।